हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 22 जून 2026

12 योग शरीर को सक्रिय, मन को शांत एवं सजग...

12 जिंदगी में मानसिक शांति व शारीरिक तंदुरुस्ती...

खबर संक्षेप

मोटरसाइकल चोरी के मामले में आरोपी पकड़ा

हिसार। सिविल लाइन पुलिस ने लघु सचिवालय पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक और आरोपी तलवंडी राणा निवासी सन्नी को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही ममता ने बताया कि आरोपी 19 सितंबर 2024 को लघु सचिवालय पार्किंग से मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में शामिल था। पुलिस द्वारा चोरी शुदा मोटरसाइकिल को पहले ही बरामद कर लिया था। आरोपी को पूछताछ उपरांत अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नकदी और आभूषण चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

बरवाला। सीआईए टीम ने बरवाला के वार्ड 12 स्थित एक मकान में हुई नकदी एवं आभूषण चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फतेहाबाद जिले के गांव रानखेड़ी निवासी सतनाम सिंह के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई मांगे राम ने बताया कि इस संबंध में बरवाला के वार्ड 6 निवासी सुरेंद्र सिंह ने 19 जून को शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार किसी ने उसके घर से 40 हजार रुपये नकद, सोने का मंगलसूत्र तथा सोने की बालियां चोरी कर ली। शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने आरोपी सतनाम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

मोबाइल फोन छीनने के मामले में एक गिरफ्तार

हिसार। अर्बन एस्टेट थाना पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी की पहचान क्रांति नगर निवासी ऋतिक बाबू के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई रविंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर डीसी कॉलोनी मोड़ के पास एक फास्ट फूड रेहड़ी संचालक से मोबाइल फोन छीन लिया था और मौके से फरार हो गए थे। इस संबंध में अर्बन एस्टेट-2 निवासी कपिल ने शिकायत दी थी कि 19 जून की रात वह अपना कार्य समाप्त कर अपने स्टाफ के साथ घर जा रहा था। जब वह डीसी कॉलोनी मोड़ के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए दो मोटरसाइकिल सवार युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए।

डाया में 8 ग्राम हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

हिसार। मंगाली पुलिस चौकी ने डाया गांव में 8 ग्राम हेरोइन सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान डाया निवासी दलबीर के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस चौकी टीम ने आरोपी दलबीर को बस अड्डे के पास काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

स्नैचिंग मामले में दो घंटे में स्कूटी सहित पकड़ा आरोपी

हिसार। शहर की 12 क्वार्टर चौकी पुलिस ने स्नैचिंग के एक मामले में कार्रवाई करते हुए मात्र दो घंटे में दो आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस ने उनसे वारदात में प्रयुक्त स्कूटी सहित छीना गया चांदी का कड़ा बरामद कर लिया है। चौंकी एएसआई राकेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में बख्शी नगर निवासी जतिन ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार जब वह अपने कार्य से शांति नगर जा रहा था तो इसी दौरान काले रंग की स्कूटी पर सवार दो युवक उसके पास आए तथा उसका चांदी का कड़ा छीनकर मौके से फरार हो गए। शिकायत पर केस दर्ज करके पुलिस ने दो आरोपियों को काबू करके उनकी निशानदेही पर वारदात में छीना गया चांदी का कड़ा बरामद कर लिया।

योग स्वस्थ जीवन की आधारशिला, दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : गंगवा

योगमय नजर आया शहर का चौधरी देवीलाल टाउन पार्क, 2800 से अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चौधरी देवीलाल टाउन पार्क में जिला प्रशासन, आयुष विभाग हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः 6 बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में जिले भर से आए नागरिकों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त महेंद्र पाल ने की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भारत की प्राचीन योग परंपरा आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखा रही है। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन का भी प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के संदेश का सीधा प्रसारण देखा और सुना गया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अनियमित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक संपूर्ण समाधान के रूप में उभरकर सामने आया है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे मोबाइल और डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय व्यतीत करने की बजाय योग, खेल और स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही मजबूत समाज निर्माण की आधारशिला होते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग अपनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित 2800 से अधिक प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया।

हिसार। कार्यक्रम में योगाभ्यास करते कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा।

हिसार। आकर्षक एवं मनमोहक योगासन की प्रस्तुति देते युवा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली, उपायुक्त महेंद्र पाल, पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल, एसीयूटी विवेक यादव, पूर्व मंत्री अनूप धानक, युवा भाजपा नेता भूपेंद्र पनिहार, मार्केट कमेटी चेयरमैन रविंद्र रॉकी, एसडीएम ज्योति मित्तल, नगराधीश रोहित कुमार, जिला परिषद सीईओ सुभाष चंद्र, जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, अजय कांत जांगड़ा, अभिषेक शर्मा, योग आयोग के सदस्य नरेश पूनिया, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. धर्मपाल, जिला शिक्षा अधिकारी रामरतन, डीएफओ रोहताश बिरथल, डीएसओ नरेश सैनी आदि रहे।

जिले के 15 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई परीक्षा

नीट परीक्षा में नहीं पहुंचे 573 परीक्षार्थी, 6195 ने दिया पेपर

- प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई सुनिश्चित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले में रविवार को 15 परीक्षा केन्द्रों पर हुई नीट यूजी परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से हो गई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन ने व्यापक एवं कड़े प्रबंध किए हुए थे। प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का दौरा करके व्यवस्था का जायजा लेते रहे। जिले में नीट यूजी परीक्षा के लिए 15 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें 6768 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी थी। इनमें से 573 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे और 6195 ने परीक्षा दी। परीक्षा शांतिपूर्ण रही है और कहीं पर अनुचित साधन आदि की सूचना नहीं है। उपायुक्त महेंद्र पाल व अन्य अधिकारी विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते रहे।

हिसार। परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचे छात्र। फोटो : हरिभूमि

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए की गई व्यवस्थाओं—जैसे पेयजल, छाया, बैठने की सुविधा आदि—का भी जायजा लिया और इन व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक सुगमता से पहुंचाने के लिए बसों सहित परिवहन की विशेष व्यवस्था की गई थी।

6768 परीक्षार्थी थे पंजीकृत

जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में कुल 6768 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 6195 अभ्यर्थी उपस्थित हुए जबकि 573 अनुपस्थित रहे। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई थी।

पुलिस ने कर रखे थे व्यापक प्रबंध

पुलिस की ओर से भी जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा के दृष्टिगत व्यापक सभी जरूरी प्रबंध किए हुए थे। इसके साथ ही जिले भर परीक्षा के लिए यातायात व्यवस्था के लिए नोडल अधिकारी बनाए हुए थे। परीक्षा केन्द्रों पर महिला पुलिस कर्मचारियों की तैनाती भी की गई थी। सभी परीक्षार्थियों को तलाशी लेकर ही अंदर जाने दिया गया।

भाखड़ा पाइपलाइन में टी लगाने की मांग पूरी होने पर आमरण अनशन समाप्त

- ग्रामीणों का धरना 37वें दिन भी जारी, 31 किसानों के खिलाफ मुकदमों को वापस लें सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

बरवाला रोड स्थित गांव चानौत में भाखड़ा पेयजल पाइपलाइन से गांव को पानी देने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में रविवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। ग्रामीणों की प्रमुख मांग भाखड़ा पाइपलाइन में टी (कनेक्शन पॉइंट) लगाए जाने के बाद रविवार को आमरण अनशन पर बैठे पांचों अनशनकारियों ने अपना अनशन समाप्त कर दिया गया।

सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सोमेश कुमार ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर उनका अनशन समाप्त करवाया। हालांकि धरना स्थल पर बैठे आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि धरना अभी जारी रहेगा। धरना संघर्ष समिति के अनुसार, जब तक टी-पॉइंट से गांव के जलघर तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूरा नहीं हो जाता और आंदोलन के दौरान 31 किसानों पर दर्ज एफआईआर रद्द नहीं की जाती, तब तक धरनास्थल पर आंदोलन जारी रहेगा।

रविवार को धरनास्थल पर हुई घोषणा के बाद पिछले 13 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे पांचों अनशनकारियों ने जूस ग्रहण कर अपना अनशन समाप्त किया। अनशन समाप्त होने पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को बधाई दी और इसे गांव की एकजुटता तथा लंबे संघर्ष की जीत बताया।

संघर्ष समिति के सदस्यों ने कहा कि ग्रामीणों की पहली और सबसे महत्वपूर्ण मांग भाखड़ा पाइपलाइन से गांव को जोड़ने की थी, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया है। पाइपलाइन में टी तो लगा दी गई है, लेकिन जब तक इस कनेक्शन को पाइप लाइन द्वारा गांव के जलघर तक नहीं पहुंचाया जाता, तब तक उनका यह आंदोलन जारी रहेगा।

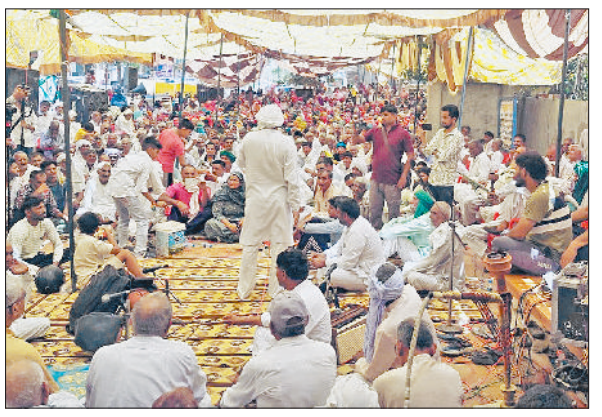

हांसी। किसानों पर दर्ज एफआईआर व अन्य मांगों को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

पिछले 36 दिनों से चल रहा है धरना-प्रदर्शन

इसके साथ ही आंदोलनकारियों ने यह भी मांग दोहराई कि पाइपलाइन आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए 31 किसानों के खिलाफ मुकदमे वापस लिए जाएं। उनका कहना है कि किसानों ने गांव के हित में संघर्ष किया था, इसलिए उनके खिलाफ दर्ज मामले रद्द किए जाने चाहिए। सूत्रों के अनुसार, आंदोलन से जुड़े प्रतिनिधिमंडल की जल्द ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात हो सकती है। इस मुलाकात में गांव की पेयजल व्यवस्था, पाइपलाइन निर्माण कार्य की समय-सीमा और किसानों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जा सकता है। चानौत गांव में पेयजल की मांग को लेकर पिछले 36 दिनों से धरना चल रहा है, जबकि पांच ग्रामीण पिछले 12 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए थे। सरकार द्वारा मांग स्वीकार किए जाने के बाद अनशन तो समाप्त हो गया, लेकिन शेष मांगों को लेकर धरना फिलहाल जारी रहेगा।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर पुलिस कर रही सख्त कार्रवाई, वीओसी से किए चालान

हिसार। पुलिस द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

- बीते तीन माह में हिसार पुलिस ने वीओसी ऐप के माध्यम से 28 हजार 346 वाहनों के काटे चालान

इसी क्रम में वीओसी ऐप के माध्यम से नियमों की अवहेलना करने वाले वाहनों की पहचान कर उनके चालान किए जा रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल प्रणाली का उपयोग करते हुए यातायात नियमों की निगरानी कर रही है ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वीओसी ऐप के माध्यम से ऐसे वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है जो यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। बीते तीन माह के दौरान हिसार पुलिस द्वारा वीओसी ऐप के माध्यम से 28 हजार 346 वाहनों के चालान किए जा चुके है। विशेष रूप से बिना हेलमेट वाहन चलाना, सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना, गलत दिशा में वाहन चलाना, निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करना, ट्रैफिक संकेतों की अवहेलना करना तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई लगातार जारी है।

ऑफर लेटर में देरी से नाराज अनुबंधित विद्युत कर्मी, 17 को विज के आवास के घेराव की चेतावनी

हिसार। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ हरियाणा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष जसविंदर ढुहन की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन प्रदेश महासचिव जीवन ठाकुर ने किया। बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, ऑफर लेटर जारी होने में देरी तथा कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एवीकेएसएच प्रभारी सुनील ढिल्लो, भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू, प्रांत मंत्री देवीलाल गुराना, जिला मंत्री सुरेंद्र जांगड़ा सहित प्रदेश कार्यकारिणी तथा 21 जिलों और हेड ऑफिस हिसार व पंचकूला से 92 पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा की गई उस घोषणा का उल्लेख किया, जिसमें 15 जून तक 1.20 लाख कर्मचारियों को ऑफर लेटर जारी करने की बात कही गई थी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद अब तक किसी भी कर्मचारी को ऑफर लेटर नहीं मिला है। प्रांत मंत्री देवीलाल गुराना ने कहा कि 17 जुलाई को अंबाला में बिजली मंत्री अनिल विज का घेराव किया जाएगा। उन्होंने सभी अनुबंधित कर्मचारियों से आंदोलन की तैयारी शुरू करने का आह्वान किया।

वार्ड 18 में गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

- पिछले दो-तीन दिनों से प्रजापति धर्मशाला के पीछे भरा है पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

शहर के वार्ड 18 में गंदे, बदबूदार व बरसाती पानी की यथाशीघ्र समुचित निकासी करवाए जाने की मांग पर वार्डवासियों ने गंदे व बदबूदार पानी के बीच में खड़े होकर प्रदर्शन किया। पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजेश रोड़ा के नेतृत्व में किए गए इस प्रदर्शन में गुस्साए वार्डवासियों ने सरकार व प्रशासन विरोधी जमकर नारेबाजी करके रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन में शामिल वार्डवासियों पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजेश रोड़ा, दीपक सोनी, विनोद, सुनीता, गीता, मेसर, भतेरी, अरुण, संजय, संतोष, दाया, विक्की, टिंकू, लच्छू, ममता, कमला व ओमपति आदि ने बताया कि दो-तीन दिनों से प्रजापति धर्मशाला के पीछे वार्ड नं. 18 की गलियों में गंदा, बदबूदार व बरसाती पानी खड़ा हुआ है। इस बदबूदार और गंदे पानी की निकासी नहीं करवाई जा रही है। इस बदबूदार और गंदे पानी की वजह से वार्डवासियों में बीमारियां पनपने का खतरा मंडरा रहा है।

बरवाला। वार्डवासी गंदे व बदबूदार पानी के बीच में खड़े होकर प्रदर्शन करते हुए।

शराब ठेका लूट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हिसार। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने गांव तलवंडी राणा स्थित शराब ठेके पर हुई लूट की वारदात में संलिप्त तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान किशनगढ़ कॉलोनी, महम निवासी कुलदीप व अनिल, तथा शिवपुरी कॉलोनी, नरवाना निवासी राजीव कुमार के रूप में हुई है। तीनों आरोपियों को झज्जर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारी उप निरीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर इस वर्ष 25—26 मार्च की रात गांव तलवंडी राणा स्थित शराब ठेके पर लूट की वारदात की थी। इस संबंध में ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत गांव कनोह निवासी रंजन सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, रात के समय दो युवक ठेके के मुख्य गेट की कुंडी तोड़कर अंदर घुस गए और उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने गल्ले से लगभग 2500 रुपये की नकदी, 2-3 शराब की बोतलें तथा एक गैस सिलेंडर लूट लिया और मौके से फरार हो गए। शिकायत पर केस दर्ज करके पुलिस ने तीनों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया।

किसानों को मुआवजा दिए बिना बिजली निगम खींच रहा लाइनें

शिविर में मुआवजे की मांग के बाद ठेकेदार ने रोका काम

पिछले दिनों आए तूफान की वजह से टूट गए थे 9 से 10 खंभे, दूसरी जगह बिछाई लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

किसानों की सहमति के बिना व उन्हें बिना कोई उचित मुआवजा दिए, खेतों में से ले जाई जा रही बिजली लाइन के विरोध में किरमारा गांव में किसान धरने पर बैठ गए हैं। किसानों ने बिजली निगम व हरियाणा सरकार से उनकी फसलों व जमीन का मुआवजा देने की मांग की है। किसानों द्वारा मुआवजा मांगे जाने के बाद बिजली निगम के अधिकारियों व संबंधित ठेकेदार ने काम रोक दिया है। किसानों ने इस संबंध में समाधान शिविर में भी मांग उठाई, जिस पर बिजली निगम के अधिकारी रविवार को गांव में पहुंचे। धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि पिछले दिनों आए आंधी तूफान की वजह से लगभग 9-10 खंभे टूट गए और लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई। बिजली निगम के अधिकारियों के निर्देशों पर क्षतिग्रस्त लाइन के स्थान पर दूसरी जगह से लाइन बिछाना शुरू कर दिया गया। इसके लिए न तो किसानों से बात की गई और न ही कोई सहमति ली गई। इस पर किसानों ने समाधान शिविर में मुआवजे के लिए गुहार लगाई तो ठेकेदार ने काम रोक दिया। उपायुक्त के निर्देशों पर निगम के अधिकारियों ने ग्रामीणों ने बातचीत की।

हिसार। किरमारा गांव में धरने पर बैठे किसान। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा प्रदीप किरमारा, धर्मपाल लोहचब, सरपंच टेकराम, धर्मपाल, जुगबीर सिंह, छाजूराम, सुखपाल, दलबीर लोहचब, इन्द्राज पोशक, कृष्ण ठाकुर, ओम प्रधान, जगदीश व साधुराम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने किसानों की मांग को उचित बताते हुए उन्हें अविलंब मुआवजा देने की मांग की।

भिवानी का सितारा स्मारक

हरियाणा के भिवानी जिले में सितारा स्मारक एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है। बताया जाता है कि यह 5वें राधास्वामी गुरु, परम संत ताराचंदजी महाराज की समाधि है, जिन्हें 'बड़े महाराज जी' के नाम से भी जाना जाता है। यह स्मारक एक षट्कोणीय संरचना है जो ज़मीन से 6 फीट की ऊँचाई पर तारे के आकार में बनी है और इसकी ऊँचाई 88 फीट है। यह स्मारक किसी खंभे या स्तंभ के बिना खड़ा है, जो इसे वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना बनाता है।

अनमोल विरासत है बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गुड़ियानी

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है।

महिमा

सत्यवीर नाहड़िया

कलम के माध्यम से नवजागरण, राष्ट्रीयता एवं आजादी की अलख जगाने वाले यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त की जन्मस्थली गांव गुड़ियानी (रेवाड़ी) अपने आंचल में राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सौहार्द तथा सांस्कृतिक चेतना की अनूठी स्मृतियां सहेजे है। यही कारण है कि आज गुप्तजी की यह पावनस्थली देश व प्रदेश में अनमोल विरासत के रूप में देखी जाती है।

आज भले ही भारतेंदु युग के सेनापति कहे जाने वाले हिंदी परिष्कारक गुप्त को यह नश्वर देह त्यागे एक सदी बीत चुकी है, फिर भी गुड़ियानी स्थित हवेलियों, पाठशालाओं, मंदिरों, मस्जिदों, बाजारों, छतरियों, कुओं, खेत-खलिहानों तथा बाग-बगीचों को देखकर लगता है कि वे यहीं कहीं मौजूद हैं। पत्रकारिता, साहित्य तथा सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में उनकी लेखनी वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो चली है, जिसके चलते गुड़ियानी एक साहित्यिक ग्राम के रूप में लब्धप्रतिष्ठ होकर गुप्त जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को अनायास याद दिलाता प्रतीत होता है, जहां उनकी पैतृक हवेली किसी साहित्यिक तीर्थ से काम नहीं है। हरियाणा प्रांत के रेवाड़ी जिले में कोसली उपमंडल तथा नाहड़ विकास खण्ड के गांव गुड़यिनी में सन् 1865 में जन्मे बाबूजी की जन्मस्थली को सांस्कृतिक धरोहर कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी,जो अपने आंचल में आज भी उनकी पावन स्मृतियां सहेजे है। बेरों, घोड़ों, हवेलियों तथा वैद्यों के लिए प्राचीनकाल से विख्यात गांव गुड़ियानी नई पीढ़ी के लिए अनमोल विरासत है। यह पहलू गुड़ियानी के बारे में प्रचलित एक प्राचीन कहावत में भी देखने को मिलता है-

चहार चीज अज तोहफा-ए-गुड़ियानी।
बेर, सौदागर, घोड़े, कोठी का पानी।।

कहते हैं कि जहां आजादी प्राप्ति से पूर्व गुड़ियानी में बेरों के सौ बाग थे, वहीं यह पहलू आज भी कम दिलचस्प नहीं है कि क्षेत्र में बेरों की बिक्री गुड़यिनी के बेर कहकर की जाती है। यह उल्लेखनीय पहलू भी कम महत्व नहीं रखता कि प्रथम विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना को लगभग पचास फीसदी घोड़े इस क्षेत्र के पठानों ने मुहैया करवाए थे, जिनका केन्द्र गुड़ियानी था। गुड़ियानी के नामकरण के संदर्भ में अनेक मत प्रचलित हैं, जिनमें दो उल्लेखनीय हैं। पहला यह है कि करीब छह सौ साल पहले गजनी से आकर मसहखां नामक पठान ने यह गांव बसाया था,जिसकी प्रजाति गौरियानी थी। वस्तुतः इसका गाम गौरियानी रखा गया, जो कालचक्की में पिसते-पिसते गुड़ियानी हो गया। एक अन्य प्रचलित मत के मुताबिक इस गांव को गुड़िया नामक राजपूत ने करीब छह सौ साल पहले बसाया था। इसके अलावा सन् 1350 ई. में दिल्ली से आए तोमर गोत्रीय जाट द्वारा बसाए जाने का संदर्भ भी आता है। इनमें से मसहखां प्रकरण ज्यादा प्रामाणिक है क्योंकि मसहखां, मुरशेदखां तथा वयातखां नामक तीन सगे भाइयों द्वारा बसाये गए क्रमशः गुड़ियानी, जखाला व भूरियावास गांव साथ-साथ लगते हैं तथा इन तीन भाइयों की औलाद द्वारा बसाये गए रसूलपुर, शादीपुर, मुंदड़ा, मलेशियावास नामक गांव भी गुड़ियानी क्षेत्र के अंतर्गत ही आते हैं।

गुड़ियानी में जन्मे एक बालक ने अंग्रेजीकाल में साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी कलम से आजादी की अलख जगायी। राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक व भाषायी अलख के प्रणेता बाबू बालमुकुंद गुप्त का जन्म एवं आरंभिक पढ़ाई इसी गांव में हुई तथा विषम व विकट प्रस्तुतियों में सियालकोट से होडल तक फैले महापंजाब की पांचवीं कक्षा में अव्वल रहकर गुड़ियानी गांव, गुरुजनों व माता-पिता का नाम रोशन किया। पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में इसी बालक ने अपनी कलम का लोहा मनवा कर आजादी की अनूठी अलख जगाई तथा पत्रकारिता क्षेत्र में नए मानदण्ड स्थापित किए।

गुड़ियानी क्षेत्र अपने वैद्यों के लिए भी जाना जाता है। प्राचीनकाल का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र रहा यह गांव अब कोसली विधानसभा तथा रोहतक लोकसभा क्षेत्र का भाग है। इस गांव को गुप्त की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर आदर्श गांव घोषित कर, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी थी। फिर गांव के सरकारी स्कूल का नामकरण उनके नाम से किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर,रेवाड़ी में उनके नाम से पीठ तथा हरियाणा साहित्य अकादमी भवन, पंचकूला में उनकी प्रतिमा स्थापित की गई। उनके नाम से अकादमी पुरस्कार प्रारंभ किए गए, जो आज भी दिए जा रहे हैं। ये सब कार्य पिछले 30 वर्षों में हुए हैं तथा अभी बहुत कुछ होना शेष है।

करीब पांच हजार वोटों वाले इस गांव में 17 वार्ड हैं। बढ़ेरा, तिहाग, कालेवाड़ा, बहादरवाड़ा, नामक पान्नों में बंटा गांव गुड़ियानी मुख्यतः दलित बाहुल गांव है, जिसमें अहीर, कुम्हार, वैश्य, माली, बाल्मीकि, खटीक, मीणा, ब्राह्मणों आदि जातियों के लोग भी काफी संख्या में है। गांव के अलावा ढाणियों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

अपनी प्राचीन कलात्मक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध गुड़ियानी को यदि हवेलियों का गांव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गुड़ियानी के हर पान्ने में पांच-सात ऐसी हवेलियां आज भी मौजूद हैं, जिनकी वास्तुकला अनूठी है। भले ही अधिकांश हवेलियां आज खण्डहर हो चुकी हैं, फिर भी उनकी कलात्मकता एवं निर्माणशैली अनायास आकर्षित करती है। इन हवेलियों के बीच दो हवेलियां हिंदी नवजागरण के पुरोधा गुप्त की अनमोल स्मृतियों की मूक साक्षी रही हैं। ये दोनों हवेलियां आसपास हैं, जिनमें से वह हवेली जिसमें गुप्तजी का जन्म हुआ था, आज पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, किंतु दूसरी हवेली जिसका निर्माण स्वयं गुप्तजी ने करवाया था, आज भी अपनी विराटता व कलात्मकता के अलावा गुप्तजी की अनमोल यादों को सहेजे हुए है। यह हवेली उनके निधन के बाद कई दशकों तक बंद रही, जिसके चलते इसमें रखी उनकी अमूल्य निधियां धूल, दीमक की भेंट चढ़ गई। कभी लंबे अरसे तक बंदरों व कबूतरों की सैरगाह रही इस हवेली में आदमकद झाड़ियां व घास की भरमार थी, किंतु अब पिछले दो दशक से यह हवेली जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केन्द्र बनकर उभरी है। इस दो मंजिला इमारत में आज भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने इस हवेली को संरक्षित स्मारक घोषित किया है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा साहित्य अकादमी के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में इस हवेली में गुप्त जी का संग्रहालय स्मारक तथा ई-लाइब्रेरी खोलने की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस स्मारक के संरक्षित होने की सरकारी अधिसूचना के बाद अब इस दिशा में संबंधित लंबित कार्य पूरा होने की नए सिरे से आस जगी है। क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केन्द्र बन चुका गुड़ियानी साम्प्रदायिक सौहार्द की जीती-जागती मिसाल है। मंदिरों एवं मस्जिदों वाले इस गांव के हिन्दू लोग अगाध श्रद्धा से मुन्नीवाली मस्जिद में जाते हैं। मस्जिद की कलात्मक मीनारें, नक्काशी, तैलचित्र अनायास आकर्षित करते हैं। गांव के कालेवाड़ा व बढ़ेरा नामक मौहल्लों में स्थित दो ठाकुरद्वारे अपनी अनूठी निर्माणशैली व नायाब वास्तुकला के जीते-जागते नमूने हैं। गांव के विभिन्न मंदिरों में शिव मंदिर व श्याम मंदिर के अलावा अनेक प्राचीन छतरियां अपनी छाप छोड़ती हैं। साहित्यिक ग्राम में पठान संस्कृति के अवशेष रूप में अनेक खण्डहर, अस्तबल हवेलियां, ईदगाह आदि मौजूद हैं। गत कुछ दशकों से गुप्त जी को लेकर हो रहे काम से सुर्खियों में रहे गुड़ियानी गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जल निकासी की समस्याएं हैं। गत कई वर्षों से यशस्वी साहित्यकार स्व. बाबू बालमुकुंद गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को चिरस्थायी एवं प्रेरणापुंज बनाने के लिए प्रयासरत संस्था बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद् (पंजीकृत) के संरक्षक अधिवक्ता नरेश चौहान 'राष्ट्रपूत' का विचार है कि प्रदेश सरकार तथा केन्द्र सरकार राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्त की जन्मस्थली स्थित उनकी प्राचीन हवेली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करके ही गुड़ियानी को राष्ट्रीय मानचित्र पर विशेष पहचान दे सकती हैं। गुड़ियानी की निकटवर्ती पहाड़ी भी अपने आंचल में शहीदों की मार्मिक दास्तान सहेजे है।

इस दो मंजिला इमारत में आज तक भी गुप्तजी तथा उनके समकालीन रचनाकारों का साहित्य, भारतमित्र के दुर्लभ अंक, साहित्यिक पत्र तथा संबंधित छायाचित्र आदि रखे हुए थे, जिन्हें उनके वंशजों ने हरियाणा एवं संस्कृति अकादमी को शोध कार्यों के लिए दे दिया।

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने आजादी की गुहार करने वाले 114 रणबांकुरों को इसी पहाड़ी पर फांसी दी थी। इतिहास के अनूठे पृष्ठों को अपने आंचल में सहेजे गांव गुड़ियानी ने अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं तथा मुगलों व अंग्रेजों के समय में अपनी वीरता एवं देशभक्ति प्रेरक इतिहास रचा है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में गुड़ियानी के जांबाज योद्धा मोहम्मद आजमखां ने अपने प्राणों की आहूति दी थी। आज वक्त का तकाजा है कि हरियाणा प्रदेश में जहां बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थान आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है, वहीं गुड़ियानी स्थित उनकी हवेली को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिया जाए। देखना यह है कि राष्ट्रीयता के अग्रदूत गुप्तजी की जन्मस्थली राष्ट्रीय मानचित्र पर कब पहचान बना पाती है?

कविता | नरेन्द्र कुमार

ब्याह

चार तरहां के ब्याह हो रै,
ये दुनियादारी है।
किस ब्याह के ढंग बताऊं,
ये मुनिया प्यारी है।।

मां - बाप ढूंडै अच्छा छौरा,
काला हो या भूरा।
अनपढ़ हो या वो पढ़ा-लिखा,
भूखा हो या बहोरा ।।
ऐसी सामाजिक शादी करना,
अच्छी समझदारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

नयनों से जिनके नयन मिले,
मिले नहीं जिनकी शक्ल।
वे घर से भाग गए जो कमशल,
उनकी मारी गई अक्ल।।
भगौड़ा ब्याह करने वाले,
मां से गद्दारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

पढ़ लिखकर रोजगार लिया,
कोई साथी आन मिला।
तन,मन, धन, कुटुम्ब मिला,
मां - बाप को मान दिला।।
ऐसा प्रेम विवाह करना,
इसमें ना हलवारी है।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

मन करता तब तक संग रहते,
मन भरता छोड़ देते।
मन करता तब चूड़ी पहन लेते,
मन करता फोड़ देते।।
मन मर्जी के ब्याह के भी,
भारे व्यापारी हैं।।
चार तरहां के ब्याह हो रै....

रागनी | मनोज वशिष्ठ

प्रकृति का न्याय, मानस का लालच

मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।
यो जुल्म कमावै कुदरत पै, क्यूं भूल गया तेरी काया रे।।

ईश का बास है जर्रे-जर्रे में, ऋषि-मुनियां ने समझाया था। त्याग भाव तै भोग करो, वेदों ने ज्ञान सिखाया था।।
तैने कंक्रीट के जंगल चुन लिए, यो के अंधेर कमाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

नदियां का पानी जहर कर दिया, हवा में घोल दिया गाद रे।
जेठ की दुपहरी झुलसण लागी, बदल्या मौसम का मिजाज रे।।
टीले पिघलें कंचन बरफ के, तैने खुद का काल बुलाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

चौपाल की वो ठंडी छाँया, मटके का पानी भूल गया।
सादगी छोड़ के मानस, दिखावे की आंधी में झूल गया।।
सुघड़ कमंडल, नीम की छाँया, सारा वैभव तैने गंवाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

'एक पेड़ मां के नाम' लगा ले, इब भी सम्भलण का मौका सै।
प्रकृति के धौरे सब की खातर, लालच की खातर चौका सै।।
'वशिष्ठ' कहे सुण प्रबुद्ध मानस, क्यूं खुद पै कहर ढाया रे।
मानस क्यूं भूल्या मर्यादा, तैने अति का जाल बिछाया रे।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आमटी तालाब | पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में इसे अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है

स्मृतियों में जीवित एक राजकुमारी की अमर गाथा

धरोहर

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा के ऐतिहासिक नगर हांसी की पहचान केवल उसके विशाल किले, प्राचीन स्थापत्य और राजनीतिक इतिहास से नहीं बनती, बल्कि उन लोककथाओं से भी है जो पीढ़ियों से लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। ऐसी ही एक मार्मिक कथा है आमटी तालाब की, जिसे पुराने अभिलेखों और लोकश्रुतियों में अमृति तालाब के नाम से भी जाना जाता है। यह तालाब केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि एक ऐसी राजकुमारी की स्मृति का प्रतीक है जिसने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जीवन का बलिदान दे दिया। हांसी का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। अनेक राजवंशों और शासकों ने यहां शासन किया।

मध्यकाल में यह नगर सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था। इसी कालखंड से जुड़ी एक लोकगाथा आज भी क्षेत्र के बुजुर्गों की स्मृतियों में जीवित है। लोकविश्वास के अनुसार हांसी पर शासन करने वाले राजा श्रीपाल की पुत्री अमृति अपनी सुंदरता, साहस और आत्मसम्मान के लिए प्रसिद्ध थीं। कहा जाता है कि विदेशी आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में जब राज्य पर संकट आया तो राजकुमारी अमृति को भी अपमान और बंदी बनने का खतरा उत्पन्न हो गया। उस समय भारतीय समाज में सम्मान और आत्मगौरव को सर्वोच्च मूल्य माना जाता था। लोककथा के अनुसार अमृति ने परिस्थितियों के सामने झुकने के बजाय एक कठिन निर्णय लिया। उन्होंने नगर के निकट स्थित एक विशाल जलाशय में कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। यह घटना नगरवासियों के मन पर इतनी गहरी छाप छोड़ गई कि उस जलाशय को राजकुमारी की स्मृति में अमृति तालाब कहा जाने लगा। समय के साथ स्थानीय बोली और उच्चारण में परिवर्तन हुआ और अमृति शब्द धीरे-धीरे "आमटी" में परिवर्तित हो गया। आज भी अनेक लोग इस जलाशय को आमटी तालाब के नाम से जानते हैं। इतिहासकारों का मानना है कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में ऐसी अनेक लोककथाएं प्रचलित रही हैं जिनमें महिलाओं के साहस और आत्मसम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि इन कथाओं के सभी विवरणों का लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, फिर भी लोकस्मृति में उनका स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आमटी तालाब की कथा भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना का प्रतीक है जिसमें सम्मान और स्वाभिमान को जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना जाता था। हांसी का ऐतिहासिक किला इस कथा का मौन साक्षी प्रतीत होता है। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस किले ने अनेक युद्ध, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं। किले की प्राचीरों और उसके आसपास के क्षेत्र में फैली लोककथाएं आज भी इतिहास और कल्पना के अद्भुत संगम का अनुभव कराती हैं। आमटी तालाब की कहानी भी इसी ऐतिहासिक परिवेश में विकसित हुई। लोकसाहित्य के दृष्टिकोण से देखें तो आमटी तालाब की कथा केवल अतीत का वर्णन नहीं करती, बल्कि समाज के मूल्यों को भी अभिव्यक्त करती है। हरियाणा की लोकसंस्कृति में वीरता, त्याग, आत्मसम्मान और सामुदायिक स्मृति का विशेष महत्व रहा है। यही कारण है कि सदियों बीत जाने के बाद भी यह कथा लोगों की जुबान पर बनी हुई है। आज जब आधुनिकता के प्रभाव में अनेक ऐतिहासिक स्थल और लोककथाएं विस्मृति के अंधकार में खोती जा रही हैं, तब आमटी तालाब जैसी स्मृतियां सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता का संदेश देती हैं। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

पर्यटन की दृष्टि से भी आमटी तालाब और उससे जुड़ी कथा महत्वपूर्ण हो सकती है। हांसी आने वाले पर्यटक केवल किला ही नहीं, बल्कि उस लोकइतिहास को भी जानना चाहते हैं जो इस नगर की आत्मा में बसता है। राजकुमारी अमृति की कथा, हांसी के प्राचीन किले और नगर की ऐतिहासिक विरासत को जोड़कर एक समृद्ध सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ विकसित किया जा सकता है। आमटी तालाब की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि इतिहास केवल राजाओं और युद्धों का विवरण नहीं होता। इतिहास उन लोगों की स्मृतियों में भी जीवित रहता है, जिन्होंने अपने जीवन से समाज को प्रेरणा दी। राजकुमारी अमृति की लोकगाथा चाहे इतिहास और किंवदंती के बीच कहीं स्थित हो, लेकिन वह हांसी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। आज भी जब हांसी की पुरानी गलियों, किले की दीवारों और ऐतिहासिक स्थलों का उल्लेख होता है, तब आमटी तालाब का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। यह तालाब केवल एक जलाशय नहीं, बल्कि स्मृति, साहस और लोकविश्वास का वह दर्पण है जिसमें हांसी का अतीत आज भी प्रतिबिंबित होता दिखाई देता है।

यदि इन स्थलों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण किया जाए, उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर शोध हो और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से उन्हें संरक्षित किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रह सकेंगी।

ग्लैमर नहीं किरदार के पीछे भागो : नैना

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा के शेक्सपियर एवं सूर्यकवि पंडित लखमीचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व से कौन परिचित नहीं है। पूरे विश्व में उनकी चर्चाएं होती है उन पर शोध कार्य हो रहे हैं। आज आपको उनकी प्रपौत्र वधू नैना से रूबरू करवा रहे हैं, जो इस गौरवशाली लोक-साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने वाले परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। नैना ने दादा लखमीचंद यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और रंगमंच उनकी पहली मोहब्बत है। उन्होंने 'नचार', 'फांस', 'हाथ रुपया' और 'परिणीता' जैसी चर्चित फिल्मों में उल्लेखनीय कार्य किया है, जबकि 'फांस' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 'फांसले', 'छाया', 'मौत', 'निर्णय', 'यादें', 'उधेड़बुन' और 'दरार' जैसी शॉर्ट फिल्मों में भी उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। मंच नाटकों, नुक्कड़ नाटकों और हरियाणवी फिल्मों के साथ-साथ उन्होंने सुपवा के प्रोजेक्ट्स से भी महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में एक हरियाणवी फीचर फिल्म और पंडित लखमीचंद की विरासत पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री शामिल है।

नैना बताती हैं कि दादा लखमीचंद के प्रपौत्र चेतन कौशिक से विवाह के बाद जब वह इस परिवार की बहू बनी तो लगा जैसे माटी की खुशबू से रिश्ता जुड़ गया। स्वयं उनके शब्दों में -'ये परिवार सिर्फ घर नहीं, हरियाणा की लोक संस्कृति का जीता-जागता स्कूल है। दादा लखमीचंद का नाम हर सांस में बसता है यहां। ऐसे परिवार का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य से बढ़कर गौरव की बात है। आधुनिकता और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के कारण क्या सांग जैसी समृद्ध लोक परंपराएँ धीरे-धीरे हाशिए पर जा रही हैं? क्या वर्तमान पीढ़ी इन्हें अपेक्षित महत्व नहीं दे रही? जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर नैना बताती हैं कि तकनीक दुश्मन नहीं, सवारी है। हां, भीड़ रील्स की तरफ भाग रही है, पर असली बात में आज भी दम है। हम सांग को हाशिए पर नहीं जाने देंगे। बस उसे मोबाइल के साइज में ढालना है। युवा जुड़ेगा, गारंटी है। हरियाणा के अनेक लोक कलाकारों के परिजन आज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। साथ ही वे सरकारी सहयोग और अनुदान के अभाव में उपेक्षित भी महसूस करते हैं। नैना को इन लोक कलाकारों के संघर्ष पर दर्द होता है, जब देखते हैं कि जो संस्कृति बचाते हैं, वो खुद मुश्किल में हैं। सरकारी सहयोग मिलना चाहिए, पर उससे पहले युवा समाज को जागना होगा। बुजुर्गों ने तो बहुत साथ दिया, अब बारी हमारी है। जब तक हम अपनी लोक कलाओं को सम्मान नहीं देंगे, तब तक कलाकार का हौसला भी टूटेगा और संस्कृति भी। हमें मिलकर इस विरासत को बचाना है। नैना के अनुसार सांग की परंपरा में पुरुष कलाकारों द्वारा महिला पात्रों की भूमिका निभाने की विशेष परंपरा रही है। ये परंपरा मजबूरी नहीं, कला थी। उस दौर के हिसाब से ठीक थी। आज महिलाएं खुद मंच पर आ रही हैं, ये सबसे बड़ा बदलाव है। परंपरा की इज्जत करते हुए नए दौर को भी गले लगाना चाहिए। दोनों साथ चल सकते हैं। लोकनाट्य और सांग को आज के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा को सरल बनाना और क्लिष्ट शब्दों को हटाना जरूरी है। साथ ही, लगभग डेढ़ घंटे के पावर-पैक सांग तैयार किए जाएं, ताकि दर्शकों की रुचि बनी रहे। उनका मानना है कि सांग को कॉलेज फेस्ट और कॉर्पोरेट कार्यक्रमों तक ले जाना चाहिए। इससे सांग पर लगा 'ओल्ड' का टैग हटेगा और वह 'गोल्ड' के रूप में स्थापित होगा। नैना के लिए रंगमंच उनकी रूह है। साथ में स्क्रिप्ट लेखन, डायरेक्शन में भी वह हाथ आजमा रही हैं। कैमरे के सामने अभिनय का अपना मज़ा है। कोशिश यही है कि हर कहानी में हरियाणा की माटी बोलती दिखे। व्यक्तिगत तौर पर एक फिल्म डायरेक्ट करना चाहती हैं जो पूरी दुनिया को हरियाणवी कल्चर दिखाए। दादा लखमी की विरासत के लिए एक डिजिटल आर्काइव भी बनाने पर विचार है, जहां उनकी सारी रचनाएं, ऑडियो, वीडियो एक क्लिक पर मिलें। नैना अभिनय के साथ फिल्म मेकिंग से भी जुड़ी रही हैं और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रही हैं। उनका मानना है कि हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वह हरियाणवी सिनेमा का भविष्य सुनहरा मानती हैं। अब हमारे हरियाणा में भी एक सिनेमा की शुरुआत हो चुकी है।, नैना सुपवा के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए बताती हैं कि सुपवा मतलब अनुशासन और आज़ादी का संगम। वहां सीखा कि कला में रियाज़ और रिसर्च दोनों जरूरी हैं। सुपवा ने मुझे कलाकार से कर्मयोगी बनाया। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में नैना का मानना है कि रंगमंच वन टेक मैच है - तालियां तुरंत, गलती की माफी नहीं।

कैमरा टेस्ट सीरीज है - रीटेक है, पर इमोशन एक बार में पकड़ना है। मंच दिल देता है, कैमरा बारीकी सिखाता है। दोनों जरूरी हैं। नए कलाकारों के लिए उनका संदेश है कि ग्लैमर के पीछे मत भागो, किरदार के पीछे भागो। रियाज़ छोड़ोगे तो बाजार छोड़ देगा। हरियाणवी में सोचो, हरियाणवी में जियो, फिर देखना दुनिया तुम्हारी बोली बोलेगी और हां, दादा लखमीचंद की बातों का अनुसरण करो ,रास्ता खुद मिल जाएगा।

हरियाणा में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में महिलाएं कम हैं। रास्ता मुश्किल था, 'लुगाई के बस की बात ना' खूब सुना। पर जब कैमरा ऑन होता है तो जेंडर नहीं, विज़न चलता है। हरियाणा की महिलाएं अब फिल्म डायरेक्शन, प्रोडक्शन में आ रही हैं। हरियाणवी सिनेमा और उसके कलाकारों ने गत वर्ष से बहुत तरक्की की है। बहुत से लोग बॉलीवुड में भी अपना परचम लहरा रहे हैं।

खबर संक्षेप

सुपरिंटेंडेंट इंजीनियरिंग जितेंद्र सिंह को मातृ शोक

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सम्पदा कार्यालय में सुपरिंटेंडेंट इंजीनियरिंग जितेंद्र सिंह की माता श्रीमती फूलवती का रविवार को स्वर्गवास हो गया। श्रीमती फूलवती का अंतिम संस्कार सेक्टर 16-17 स्थित शमशान घाट में किया गया। लगभग 74 वर्षीय स्वर्गीय श्रीमती फूलवती सरल स्वभाव, धार्मिक एवं मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थीं। विवि परिवार ने इस दुखद एवं अपूरणीय क्षति पर गहरा शोक व्यक्त करता है तथा शोक संतृप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की है।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में ताजी हुईं यादें

हिसार। गुरु दक्ष राजकीय पॉलिटेक्निक, हिसार के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से पूर्व छात्र मिलन समारोह (एलुमनाई मीट) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के प्राचार्य जगमोहन सिंह ने उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुरानी यादें हमें सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती हैं तथा विद्यार्थियों और संस्थान के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियां संस्थान के वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होती हैं।

आईटीआई में आवेदन की तिथि बढ़ाई

सिवानी मंडी। राजकीय आईटीआई खेड़ा सिवानी में सत्र 2026-27 के लिए विभाग ने प्रवेश पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 जून कर दी है। प्रशिक्षण इंचार्ज, नरेंद्र कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अब 30 जून तक विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इन ट्रेडों में वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग, कारपेंटर, मशीनिस्ट, मोटर मैकेनिक व्हीकल, स्टेनो हिंदी, कॉस्मेटोलॉजी, ड्रेस मेकिंग, कोपा एवं डीएमसी शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया हैए वे हरियाणा आईटीआई प्रवेश पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

निर्णय नहीं बदला तो अभाविप करेगी आंदोलन

हिसार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरु जम्भेश्वर विवि प्रशासन को सोमवार तक अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर आदेश वापस लेने का समय दिया है। संगठन ने चेताया है कि यदि प्रशासन ने छात्र हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप निर्णय नहीं लिया, तो अभाविप अपनी रणनीति तय कर इस लड़ाई को और व्यापक स्तर पर लड़ने के लिए बाध्य होगी। अभाविप जीजेयू इकाई अध्यक्ष एवं जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के पीएचडी शोधार्थी कमलदीप अत्री ने बताया कि प्रशासन ने उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को निलंबित करते हुए उनके विभाग और विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब अभाविप लगातार छात्रों पर लगाए जा रहे भारी-भरकम जुर्मानों, विशेष कक्षाओं के नाम पर की जा रही शुल्क वसूली तथा अन्य छात्र समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रही थी।

हरियाणा में बेरोजगारी की स्थिति गंभीरः संपत

हिसार। इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने हरियाणा में उच्च शिक्षित युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हिसार स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में सफाई कर्मचारी के एक पद के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परीक्षा में स्नातकोत्तर एवं एम.फिल. जैसी उच्च डिग्रियां प्राप्त अभ्यर्थियों का शामिल होना राज्य की चिंताजनक आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को उजागर करता है। प्रो. संपत सिंह ने राजनैतिक व शैक्षणिक तौर पर सबसे जागरूक गांव नहला में कहा कि एमए, एमएससी, एमबीए, एम.फिल. तथा अन्य उच्च योग्यताधारी युवा ऐसे पदों के लिए आवेदन करने को मजबूर हों, जिनके लिए केवल आठवीं कक्षा तक की योग्यता निर्धारित है।

ग्रामीण इलाकों में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सौंपा मांग पत्र

कैबिनेट मंत्री से मिले भाजपा के नेता, सड़क निर्माण की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के मार्गदर्शन में नारनौंद, बास मार्केट कमेटी के चेयरमैन तथा नारनौंद विधानसभा भाजपा के मंडल अध्यक्षों सहित अन्य नेताओं ने कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा से मुलाकात कर नारनौंद क्षेत्र में सड़कों के निर्माण और मरम्मत के लिए मांग पत्र सौंपा।

चेयरमैन शमशेर मोर ने बताया कि गांव खांडा खेड़ी से राजथल, प्रभुवाला मोड़ से पुट्ठी, पुट्ठी से मालवी (कच्चा रास्ता), मदन हेड़ी से पुट्ठी, खांडा खेड़ी-जीन्द मार्ग से धर्म खेड़ी, उगालन से पेटवाड़, बड़ाला से खरबला, जीन्द भिवानी रोड से सीसर खरबला और माढ़ा से माजरा सड़क मार्ग सहित कुल 9 मुख्य मार्गों के चौड़ीकरण व मरम्मत की मांग रखी गई है।

प्रतिनिधिमंडल ने इन मार्गों के विकास कार्यों को लेकर कैबिनेट मंत्री को ज्ञापन सौंपा। बताया कि इन सड़कों की स्थिति में सुधार होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इन रास्तों पर आने जाने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को एक गांव से दूसरे गांव में जाने के सुगम रास्ता मिल सकेगा। लोक निर्माण मंत्री रणवीर गंगवा ने आश्वासन देते हुए कहा कि इन सभी कार्यों को गंभीरता से लिया जाएगा। इस पर जल्द कार्रवाई करके सभी रास्तों को जल्द बनवाने का काम किया जाएगा। भाजपा पार्टी पूरे प्रदेश में समान तरीके से विकास के कार्य करवा रही है। किसी भी क्षेत्र को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। इस अवसर पर बास मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर, चेयरमैन उदय सिंह लोहान, जिला महामंत्री विजेंद्र लोहान, मंडल प्रधान कर्णपाल पेटवाड़, महावीर श्योराण, सोनू सैनी, बिजेंद्र शर्मा, दीपक लोहान, देवेंद्र बूरा आदि मौजूद थे।

नारनौंद। कैबिनेट मंत्री रणवीर सिंह गंगवा को मांग पत्र सौंपते हुए भाजपा नेता और कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हिसार से जींद वाया राखीगढ़ी सड़क के लिए धरना-प्रदर्शन

नारनौंद। लोहारी राघो से डाटा ओर हिसार से जींद से वाया राखीगढ़ी की सड़क मार्ग बनवाने की मांग पर रविवार को लोहारी राघो में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया गया। उनक कहना है कि लोहारी से डाटा सड़क मार्ग सरकार द्वारा मंजूर किया गया हैं लेकिन हिसार से जींद वाया राखीगढ़ी सड़क मार्ग जब तक मंजूर नहीं होगा तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार को राखी गढ़ी में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। सर्वजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्द किशोर चावला ने बताया कि लोहारी राघो में डाटा सड़क मार्ग पिछले काफी सालों से खस्ता हाल थी। ये सड़क सिर्फ 12 मीटर चौड़ी थी। इसको 18 मीटर चौड़ी करने को लेकर रविवार को गांव लोहारी राघो में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया था। धरने स्थल पर सरकार की तरफ से इस सड़क को 18 मीटर चौड़ी ओर जल्द बनाने का पत्र भेजा गया हैं। सरकार ने ये मांग पूरी कर दी है। अब हिसार से जींद वाया राखीगढ़ी सड़क मार्ग को लेकर सोमवार को राखी गढ़ी में धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

आपात स्थिति से निपटने की परखीं तैयारियां

हांसी पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल

हांसी। पुलिस लाइन में रविवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉकड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय और कार्यकुशलता को परखना था। मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न काल्पनिक परिस्थितियां बनाकर पुलिस बल की प्रतिक्रिया और कार्यप्रणाली का अभ्यास कराया गया। जवानों को आपदा, कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों और अन्य आकस्मिक हालात से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। सुरक्षा प्रबंधन, त्वरित कार्रवाई और टीम वर्क के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ती है और वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर काम करने का अनुभव मिलता है। नियमित अभ्यास से पुलिस बल की तैयारियां मजबूत होती हैं, जिससे आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है। मॉक ड्रिल में लाइन प्रबंधक उप निरीक्षक प्रदीप कुमार, मुख्य ड्रिल इंस्ट्रक्टर उप निरीक्षक राजवीर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मॉडर्न नेत्र ऑपरेशन थिएटर शुरू

हिसार। श्री रानी दादी मंगालीवाला मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडर्न आंखों के ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि नए नेत्र ऑपरेशन थिएटर के शुरू होने से मोतियाबिंद सहित आंखों से संबंधित विभिन्न जटिल बीमारियों के ऑपरेशन आधुनिक तकनीक के माध्यम से किए जा सकेंगे। इससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं सुलभ नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल लगातार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं गुणवत्ता सुधार के लिए कार्य कर रहा है। आधुनिक नेत्र ऑपरेशन थिएटर की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे हजारों मरीजों को लाभ मिलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद उपस्थित अतिथियों ने ऑपरेशन थिएटर का अवलोकन किया तथा अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में भी जनसेवा के लिए नई सुविधाएं शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया।

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर वृद्धजनों के लिए लगाया ठंडाई का लंगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस की पावन स्मृति में श्री गुरु नानक सेवा परिवार, पटेल नगर की ओर से मोक्ष वृद्धाश्रम एवं शैशव कुंज मंदबुद्धि महिला आश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों के लिए बादाम शेक ठंडाई के लंगर का आयोजन किया गया। सेवा परिवार के प्रधान संदीप तनेजा ने बताया कि श्री गुरु अर्जन देव जी महाराज ने मानवता, सेवा और त्याग का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज को प्रेरित करता है।

■ वृद्धजनों की सेवा करना पुनीत कार्य

उनकी पावन स्मृति में आयोजित इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वृद्धजनों की सेवा कर उन्हें सम्मान और अपनापन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक सेवा परिवार समय-समय पर समाजहित में विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन करता रहता है और आगे भी इसी प्रकार सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

इस अवसर पर सेवा परिवार के सदस्यों ने वृद्धजनों को बादाम शेक ठंडाई वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में चंदरभान ग्रोवर, रमेश अनेजा, आत्म प्रकाश असीजा, भूषण असीजा, उमेश कुमार, नरेश मेहता, अमित अनेजा, हिमांशु पाहवा, पंकज टूटेजा, विजय कुमार, सुरेन्द्र ग्रोवर, सिद्धार्थ मेहता, सोहम असीजा, अजय कुमार, शिवा आदि उपस्थित रहे।

हिसार। वृद्धजनों के लिए लगाया बादाम शेक ठंडाई का लंगर लगाते हुए।

केयर टेकरों के सहयोग से अनेक युवाओं ने छोड़ा नशा

हिसार। पुलिस की ओर से जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के सार्थक परिणाम आने लगे हैं। अभियान के तहत नशा प्रभावित व्यक्तियों के उपचार, पुनर्वास एवं सामाजिक पुनर्स्थापन को लेकर लगातार प्रभावी कार्य किया जा रहा है। इस अभियान में नियुक्त केयर टेकरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रही है। नशा मुक्ति पुलिस टीम में नियुक्त केयर टेकर नशा प्रभावित युवाओं के घर-घर जाकर उनसे संपर्क स्थापित कर रहे हैं, उन्हें उपचार के लिए सरकारी अस्पतालों से दवाई उपलब्ध करवाने में सहयोग कर रहे हैं तथा उपचार के उपरांत लगातार उनका फॉलोअप एवं फीडबैक भी ले रहे हैं। यह निगरानी एवं मार्गदर्शन प्रक्रिया नियमित रूप से जारी है ताकि उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्ति पुनः नशे की ओर न लौटें। इस सतत प्रयास के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अनेक नशा प्रभावित युवाओं ने नशा छोड़कर सामान्य जीवन की ओर वापसी की है तथा अपने परिवार के साथ जुड़कर रोजगार, मजदूरी कर सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करना प्रारंभ किया है।

नशा मुक्ति टीम ने मीरपुर व अग्रोहा क्षेत्र में चलाया जनजागरण अभियान

टीम के सदस्यों ने उपचार एवं पुनर्वास पर दिया विशेष जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा जिले में नशे के विरुद्ध जागरूकता, उपचार एवं पुनर्वास बारे निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में टीम ने अग्रोहा थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर एवं आसपास क्षेत्र में विशेष नशा जागरूकता अभियान चलाया गया। टीम प्रभारी एसआई हवासिंह के नेतृत्व में टीम ने गांव मीरपुर में आयोजित संत साहेब कबीर जी जन्मोत्सव समारोह में सहभागिता करते हुए उपस्थितजनों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं द्वारा आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव, नशामुक्त जीवन, शिक्षा एवं खेलों को अपनाने का संदेश दिया गया तथा युवाओं को सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित किया गया। नशा मुक्ति टीम ने गांववासियों एवं उनके परिवारजनों से संवाद करते हुए नशा प्रभावित व्यक्तियों को उपचार के लिए प्रेरित किया गया तथा उन्हें सरकारी अस्पताल से दवाई लेने एवं नियमित उपचार जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही नशा तस्करी से संबंधित सूचनाएं भी प्राप्त की गईं तथा लोगों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। अभियान के दौरान दो नशा प्रभावित व्यक्तियों की पहचान की गई तथा दो को सरकारी अस्पताल पहली बार एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध करवाया गया। इसके अतिरिक्त दो नशा प्रभावित व्यक्तियों को घर जाकर पहली बार आयुर्वेदिक दवाई तथा एक व्यक्ति को दूसरी बार दवाई उपलब्ध करवाकर काउंसलिंग की गई। साथ ही तीन व्यक्तियों को दूसरी बार सरकारी अस्पताल से उपचार दिलवाया गया।

हिसार। मीरपुर में ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम।

शिक्षा व रोजगार के मोर्चे पर सरकार विफल, कांग्रेस चलाएगी अभियान

नीट पेपर लीक, भर्ती घोटालों और बेरोजगारी के आलम ने युवाओं के सपने तोड़े : बृजलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा है कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर गहरी चिंता और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। एक ओर करोड़ों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, वहीं दूसरी ओर बार-बार होने वाले पेपर लीक, भर्ती घोटाले, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और बढ़ती बेरोजगारी उनके सपनों को चकनाचूर कर रही है।

बृजलाल बहबलपुरिया रविवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक प्रकरण ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। एनटीए जैसी संस्थाओं की लगातार विफलताओं ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा तोड़ा है। मेहनती विद्यार्थियों का भविष्य कुछ लोगों की लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है, लेकिन सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि लाखों शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं की जा रही। कई परीक्षाओं के परिणाम वर्षों तक लंबित रहते हैं और भर्ती प्रक्रियाएं अदालतों तथा प्रशासनिक लापरवाही के कारण अटक जाती हैं।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते जिला अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया। साथ हैं अन्य नेता। फोटो : हरिभूमि

खामियों को शहर से गांव तक पहुंचाएंगे

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कांग्रेस पार्टी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाएगी। इस अभियान के माध्यम से पेपर लीक, भर्ती घोटालों, बढ़ती बेरोजगारी, खाली पदों, शिक्षा व्यवस्था की खामियों तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचाया जाएगा।

सोहम ध्यान की गहन एवं प्रभावशाली साधना करवाई

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ के तत्वाधान में साप्ताहिक संडे ध्यान सत्र का आयोजन एमजी क्लब, मिर्जापुर चौक में किया गया। इस आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ध्यान साधना के माध्यम से आंतरिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन आचार्या मां साक्षी ने किया। उन्होंने उपस्थित साधकों को सोहम ध्यान की गहन एवं प्रभावशाली साधना करवाई। अपने संबोधन में आचार्या मां साक्षी ने बताया कि "सोहम" एक प्राचीन आध्यात्मिक मंत्र है, जिसका अर्थ है -"मैं वही हूँ", अर्थात आत्मा और परमात्मा की एकता का अनुभव। उन्होंने बताया कि सोहम ध्यान श्वास के साथ किया जाने वाला अत्यंत सहज, वैज्ञानिक एवं प्रभावशाली ध्यान अभ्यास है। इस साधना में श्वास भीतर लेते समय मन ही मन "सो" और श्वास बाहर छोड़ते समय "हम" का स्मरण किया जाता है। यह प्रक्रिया साधक के मन को वर्तमान क्षण में स्थिर करती है तथा भीतर छिपी शांति, चेतना और सकारात्मक ऊर्जा को जागृत करती है। आचार्या माँ साक्षी ने कहा कि नियमित ध्यान अभ्यास से तनाव, चिंता, मानसिक अशांति और नकारात्मक विचारों में कमी आती है। साथ ही आत्मविश्वास, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन तथा जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है। उन्होंने सभी साधकों को दैनिक जीवन में ध्यान को अपनाने का संदेश दिया।

किसान नेता सावंत की श्रद्धांजलि सभा कल

आदमपुर। स्वन्त्रता सेनानी, पूर्व विधायक स्व. नेतराम के पौत्र एवं अखिल भारतीय किसान सभा के वरिष्ठ नेता कृष्ण सांवत की श्रद्धांजली सभा 23 जून मंगलवार को चौधरी नेतराम फार्म हाऊस मिगानी खेड़ा रोड जाखोद खेड़ा मे होगी। किसान नेता कृष्ण सांवत की पिछले दिनों हृदय गति रुकने से देहांत हो गया था। किसान सभा के राज्य सहसचिव सतबीर सिंह धायल ने बताया कि कृष्ण सांवत शांत स्वभाव के जुझारू किसान नेता और समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके निवास स्थान पर शोक जताने के लिए आदमपुर के विधायक चन्द्रप्रकश, पूर्व मन्त्री रणजीत सिंह, सांसद जयप्रकाश, राजस्थान के पूर्व विधायक डा. सुरेश चौधरी, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, भादरा के पूर्व विधायक व किसान नेता बलवान पूनिया, किसान नेता शमशेर नम्बरदार, सतबीर धायल, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व पार्षद आत्मा राम गुप्ता, किसान सभा जिला अध्यक्ष कपूर बगला व अन्य पहुंचे।

जागरण

बाबा के गुणगान से भक्त हुए निहाल, देर रात तक झूमते रहे

54वें श्री श्याम महोत्सव में भजन गायकों ने बहाई भक्ति की धारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

श्री श्याम मंदिर हांसी के 54वें श्याम महोत्सव के सातवें दिन पीसीएसडी स्कूल परिसर में विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे प्रसिद्ध भजन गायकों ने श्याम बाबा का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में कोलकाता से सौरभ शर्मा, जयपुर से रजनी राजस्थानी एवं अभिषेक नामा तथा दिल्ली से श्रेष्ठ दीक्षित ने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। गायकों द्वारा प्रस्तुत भजनों -ये प्रार्थना दिल की बेकार नहीं होगी, पूरा है भरोसा, हार नहीं होगी, लेने आजा बाबा रिंगस के उस मोड़ और ओ सांवरे मुझे जरूरत है तेरी, पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और नाचते नजर आए। श्री श्याम मित्र मंडल, श्री श्याम भवन ट्रस्ट एवं श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जागरण में हजारों की संख्या में श्याम भक्त पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव के दौरान बाबा श्याम का विशेष मेवा एवं चॉकलेट श्रृंगार किया गया। इसके साथ ही दिल्ली, बेंगलुरु, मद्रास, कोलकाता और थाईलैंड से मंगवाए गए फूलों से बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे शहर को पंजाब के कारीगरों द्वारा तैयार विशेष रोशनी से सजाया गया, जिससे महोत्सव की भव्यता और बढ़ गई। महोत्सव के आठवें एवं अंतिम दिन आयोजित होने वाले एक शाम सांवरे के नाम कार्यक्रम में भजन गायिका सुश्री निकुंज कामरा अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति रस में सराबोर करेंगी।

हांसी। श्री श्याम महोत्सव में भजन प्रस्तुत करते गायक कलाकारव श्री श्याम जागरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रधान जगदीश राए मित्तल, विनय जैन, गौरव जैन, भागवत स्वरूप सिंगल, महेन्द्र गर्ग, लछमी कांत गर्ग, पप्पू खरड़िया, सुनील मित्तल, अनिल गोयल, मंदिर प्रवक्ता राघव गोयल सहित हजारों की संख्या में श्याम भगत उपस्थित रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

हांसी। थाना शहर पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हांसी निवासी नरेंद्र के रूप में हुई है। एएसआई राजेश ने बताया कि 16 जून को शिकायतकर्ता बीपी सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित पार्किंग स्थल से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई थी। शिकायत के आधार थाना शहर में मोटरसाइकिल चोरी का मामला दर्ज कर जांच करते हुए आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह मोटरसाइकिल बेहद कम कीमत पर खरीदी थी तथा उसे यह जानकारी थी कि वाहन चोरी का है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर राजकीय महाविद्यालय में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

योग शरीर को सक्रिय, मन को शांत एवं सजग और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक : धर्मबीर

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम

हांसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास करते सांसद धर्मबीर सिंह उनके साथ डीसी राहुल नरवाल, एसपी विनोद कुमार व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सांसद धर्मबीर सिंह व डीसी राहुल नरवाल ने आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर योग दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान पंचकुला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कोलकाता में राष्ट्रीय स्तर के योग दिवस कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का सीधा प्रसारण दिखाया गया। इस अवसर पर डीसी राहुल नरवाल, एसपी विनोद कुमार, एसडीएम राजेश खोथ,सीटीएम हिमांशु चौहान, डीईओ विनोद श्योराण,डीएसपी रविंद्र सांगवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, बीजेपी पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों ने योग किया इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरी दुनिया ने अपनाया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम है। जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करता है। योग समाज, देश व दुनिया में शांति का प्रतीक है। योग भारत की अमूल्य धरोहर है और हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी इसका विस्तृत वर्णन मिलता है। देश व समाज की तरक्की व खुशहाली के लिए हमें योग को अपनाकर एक-दूसरे को साथ लेकर चलना है। इस अवसर पर डॉ. सुमित बेरवाल, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. मनोज वर्मा, डॉ. चंचल सोनी, जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया, मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना, जिला युवा अध्यक्ष सुखविंदर जाखड़, डीपी सोमबीर कलकल, प्राचार्य तेज सिंह, आयुष विभाग से सतबीर सिंह व दीपक सहित अनेक युवा,विद्यार्थी, खिलाड़ी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस लाइन हांसी में हुआ योगाभ्यास

हांसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार सुबह पुलिस लाइन हांसी में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने सामूहिक रूप से योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ व तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित जवानों को योग के वैज्ञानिक और व्यावहारिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योग से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन, एकाग्रता, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम में पुलिस लाइन प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप कुमार, मुख्य ड्रिल इंस्ट्रक्टर उप निरीक्षक राजवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने उत्साह से योगाभ्यास में भाग लिया और स्वस्थ जीवन व फिट पुलिस बल का संकल्प दोहराया।

योग से स्वस्थ शरीर व शांत मन संभव : भयाना

नारनौंद। अनाज मंडी में योग करते हुए विधायक विनोद भयाना व अन्य।

नारनौंद। नारनौंद मेरी कर्मभूमि है। इसी पावन धरती से मैने राजनीति शुरू की थी और अब योग की अलख को यही से जगाने का काम करूंगा। यह बात अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अनाज मंडी में विधायक विनोद भयाना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर संबोधित करते हुए कहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम विकास यादव ने की। इस अवसर पर डीएसपी देवेंद्र नैन, चेयरमैन शमशेर कूकन, चेयरमैन मास्टर उदय सिंह लोहान, महिला प्रधान नीलम जांगड़ा, सुरेश एमसी, नरेश वर्मा, आयुष विभाग से तनुजा आदि मौजूद थे। वही बास के सरकारी स्कूल में भी योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मार्केट कमेटी के चेयरमैन शमशेर मोर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

बास के सरकारी स्कूल में छात्रों ने किया योग

नारनौंद ।गांव बास के सरकारी स्कूल में योग करते हुए छात्र।

नारनौंद। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बास तहसील व हांसी-द्वितीय ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम बास मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित करवाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बास मार्केट कमेटी के चेयरमैन शमशेर मोर ने किया। उन्होंने कहा कहा कि योग की अलख जगाकर हर व्यक्ति को जागरूक करना होगा। योग करने से हम स्वस्थ रह सकते हैं, कोई भी बीमारी हमारे नजदीक नहीं आएगी। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार यादव, बीडीपीओ राजसिंह जिला प्रभारी वेद प्रकाश आर्य, बिजेंदर आर्य, आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर पूजा आदि मौजूद थी। योग प्रोटोकॉल का अभ्यास वेद प्रकाश आर्य और जिला सोशल मीडिया प्रभारी व योग शिक्षक बिजेंद्र आर्य व आयुष योग सहायिका प्रतिमा द्वारा योग प्रोटोकॉल के आसन व प्राणायामों का अभ्यास करवाया।

योग आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होने का मंत्रः सर्राफ

सिवानी मंडी। 12वें विश्व योग दिवस का आयोजन सिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ रहे। विधायक ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होने का मूल मंत्र है। यह मन, आत्मा और शक्तियों का आत्मबोध कराने का कारगर रास्ता है। योग कलाए विज्ञान और दर्शन का बेजोड़ उदाहरण है। उन्होंने कहा कि योग में समूची मानवता को एकजुट करने की अद्भुत शक्ति है। जब योग जीवन का हिस्सा हो जाता है तो आयु, विद्या, यश और बल बढ़ने लगते हैं।

एसडी स्कूल में विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

हांसी। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्रीड़ा भारती एवं एसडी मॉडर्न पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स तथा शिक्षकों ने भाग लिया। योग दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर उप-प्राचार्य महेंद्र सिंह, पीटीआई मनीषा यादव, प्रियंका और पूनम आदि रहे।। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

हेरिटेज पार्क में उत्साह एवं उल्लास के साथ

हिसार। सेक्टर 15-ए स्थित हेरिटेज पार्क में भारतीय योग संस्थान, हिसार इकाई के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। भारतीय योग संस्थान हिसार इकाई के प्रधान श्री सुरेश जांगड़ा, केंद्र प्रमुख डॉ. जेके डांग तथा अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मातृशक्ति द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके उपरांत डॉ. कमलेश कुकरेजा ने योग भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी मंच संचालन डॉ. राम प्रसाद ने किया।

योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करें आमजन

हिसार। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम हुए। योग दिवस उत्साहपूर्व मनाया गया और इसमें भाग लेकर अधिकारियों व नागरिकों ने इसे निरोगी रहने के लिए अचूक बताते हुए दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग की ओर से 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन केंद्रीय प्लाजा पार्क में किया गया।

योग भारत की प्राचीन संस्कृति : साध्वी नीतिका

हिसार। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सेक्टर 13 के शिव शक्ति पार्क में संस्थान के प्रकल्प 'आरोग्य' के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (365 दिन योग) को समर्पित एक विशेष योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, जागरूक सोच और वैश्विक शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के संस्थापक एवं संचालक आशुतोष महाराज की साध्वी शिष्यों द्वारा योग प्राणायाम और ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन और महान परंपरा है जो व्यक्ति के शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती

जिला न्यायालय परिसर में हुआ योग कार्यक्रम

हिसार। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिला न्यायालय परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील जिंदल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनुदीप कौर भट्टी, सीजेएम राजीव व जेएमआईसी अभिषेक गर्ग सहित अन्य न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुनील जिंदल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है, जिसने आज वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य एवं कल्याण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

युवाओं को नशे के प्रति किया जागरूक

हांसी। सामुदायिक पुलिस टीम द्वारा कोचिंग सेंटर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों तथा साइबर अपराधों से बचाव के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक बुराइयों से दूर रखते हुए उन्हें जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक पुलिस टीम के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा, करियर और सामाजिक जीवन पर भी गंभीर असर डालता है।

योग प्राचीन भारतीय संस्कृति की धरोहरः कुलपति

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपरपज हॉल में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाने का प्रभावी माध्यम है।

अग्रोहा मेडिकल में योग दिवस शृंखला का समापन

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन रविवार को सावित्री जिंदल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सामूहिक योगाभ्यास के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स ने की वहीं प्रशासनिक निदेशक डॉ. आशुतोष शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर लगभग 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया।

शिविर | ओएसजीयू ने कैंपस समेत 4 अन्य स्थानों पर लगाए योग शिविर

जिंदगी में मानसिक शांति व शारीरिक तंदुरुस्ती के लिए योग को बनाए दिनचर्या का हिस्सा : डॉ. गोयल

ओएसजीयू समाज के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। ओएसजीयू में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, के 'स्कूल ऑफ योग एंड नेचरोपैथी' की ओर से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर में चार अलग-अलग स्थानों पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। स्वस्थ जीवन के लिए योग थीम पर आधारित इन इस शिविर में आम जनता ने भी विशेष रुचि दिखाई। कार्यक्रम के लिए ओएसजीयू कैंपस, योगशाला ग्राउंड मंडी बरवाला, आर्य बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नरवाना और आर्य समाज मंदिर, आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हांसी स्थान निर्धारित किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल व प्रो-चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने अपने संदेश में कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति और शारीरिक तंदुरुस्ती के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना अनिवार्य है। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय सदैव समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

छाजूराम शिक्षण कॉलेज में मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हिसार। शहर के छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय में 12वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें राष्ट्र लक्ष्य के अंतर्गत स्वस्थ आयु के लिए योग को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रातः राज्य गीत के aसाथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया उसके उपरांत योगाभ्यास का सत्र चला। वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया फिर प्राणायाम सत्र को चलाया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राध्यापक प्रेम सुख ने योग की बारीकियां से सभी को अवगत करवाया। महाविद्यालय छात्राओं ने योगाभ्यास सत्र को संचालित किया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. पूर्णिमा लोहान ने जीवन में योग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. शालिनी गुप्ता, डॉ. अजीत सिंह, सुनीता ढांडा, सतीश पंवार, मंजू देवी, युद्धवीर सिंह, सुनीता लाखलान, भागचंद, सुरेंद्र, विनोद कुमार, सुरेश, रॉबिन सिंह आदि ने भाग लिया।

आकाशवाणी में महका अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

हिसार। आकाशवाणी हिसार में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया।शिविर में भारी संख्या में शहरवासियों, श्रोताओं और आकाशवाणी तथा हिसार हुंडई तथा सम्पूर्ण फिजियोथैरेपी सेंटर के कर्मचारियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शहर की अनेक संस्थाओं 'हमारा प्यारा हिसार', 'हरी-भरी वसुंधरा', 'भीख नहीं किताब दो', 'विस्कोसिस', 'रेज फॉर एनिमल ट्रस्ट', 'ग्रीन हिसार फिट हिसार', 'इंकलाब युवा मोर्चा' व 'शिवोहम योगा स्टूडियोज' के प्रतिनिधियों ने शिविर में भाग लिया।